

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री रामानुजाष्टकम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री रामानुजाष्टकम् ॥

रामानुजाय मुनये नम उक्तिमात्रम्
कामातुरोऽपि कुमतिः कलयन्नडीष्टम्।
यामामनन्ति यमिनां भगवज्जनानाम्
तामेव रिन्दति गतिं तमसः परस्तात् ॥ 1 ॥

सोमारचूड सुरशेखरदुक्करेण
कामातिदोऽपि तपसा ऋपयन्नघानि।
रामानुजाय मुनये नम इत्यनुकङ्क्षा
कोरा महीसहचरे कुरुतेनुरागम् ॥ 2 ॥

रामानुजाय नम इत्यसकृद्गृणीते
यो मान मत्सर मदस्मर दूषितोऽपि।
प्रेमातुरः प्रियतमामपहाय पद्मां
डूमा डुज्ज्ग शयनस्तमनुप्रयाति ॥ 3 ॥

रामालकासयनरागुरिकागृहीतं
क्लेशाय किञ्चिदपि कर्तुमनीहमानम्।
रामानुजो यतिपतिर्यदि नेष्कते मां
मा मामकोयमिति मुञ्चति माधरोऽपि ॥ 4 ॥

रामानुजेति यदिदं रिदितं जगत्यां
नामापि न श्रुतिसमीपमुपैति येषाम्।
मा मा मदीय इति सद्भिरुपेक्षितास्ते
रामानुरिद्धमनसो निपतन्त्यधोधः ॥ 5 ॥

নামানুকীৰ্ত্য নরকাৰ্তিহরং যদীযং
ৰ্যোমাধিরোহতি পদং সতলোপি লোকঃ।
ৰামানুজো যতিপতিৰ্যদি নারিৰাসীৎ
কো যাদৃশঃ প্রভৱিতা ভৱমুত্তরীতুম্ ॥ 6 ॥

সীমামহীধ্বপদৱিৎ পৃথিৱীমৱাপ্তুং
ৰৈমানিকেশ্বৱপুৰীমধিৱাসিতুম্ ৱা।
ৰ্যোমাধিরোচুমপি ন স্পৃহযন্তি নিত্যং
ৰামানুজাঙ্ঘিঘ্ৰযুগলং শৱণং প্রপন্নঃ ॥ 7 ॥

মা মা ধুনোতি মনসোহপি ন গোচরং যৎ
ভূমাসখেন পুরুষেণ সহানুভূয।
প্ৰেমানুৱিদ্ধহৃদয প্ৰিযভক্ত লভে
ৰামানুজাঙ্ঘিকমলে ৱমতাং মনো মে ॥ 8 ॥

শ্লোকাষ্টকমিদং পুণ্যং যো ভক্ত্যা প্রত্যহং পঠেৎ।
আকাৱত্ৰযসম্পন্নঃ শোকাঙ্ঘিং তৱতি ধ্ৰুৱম্ ॥ 9 ॥

॥ ইতি শ্রী রামানুজাষ্টকং সমাপ্তম্ ॥